OM-1- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 15/03/2021 11:29 AM Page 1


# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -23 अंक - 01 अप्रैल -I-2021 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50


[ मुख्यालय माउण्ट आबू में शिव ध्वज लहराकर मनायी महाशिवरात्रि ]

# 'शिव अवतरण' की यादगार... शिवरात्रि त्योहार

**माउण्ट आबू-पाण्डव भवन।** 85वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती, ध्वजारोहण के अवसर पर अति. मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्मा का ध्वज न सिर्फ भारत वर्ष में लहराता है, किंतु विश्व के कोने-कोने में भी लहराकर परमात्म-अवतरण का संदेश जन-जन तक पहुंचा रहा है। परमात्मा फिर से अवतरित होकर विश्व को सुख-शांति का वर्सा दे रहे हैं। दादी ने कहा कि हमें परमात्मा की शिक्षाओं को धारण कर श्रेष्ठ बनना है। बुराइयों को अपने जीवन से समूल समाप्त करना है। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ईशू दादी ने कहा कि परमात्मा आया है, ये संदेश भी दो और खुश रहकर सभी को खुशियां बांटो। मल्टीमीडिया चीफ राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि सत्यम् शिवम् सुंदरम् का आगमन हो गया है। अब थोड़े ही समय में विश्व में शांति स्थापित होगी। ये कार्य सिर्फ परमात्मा ही कर सकते हैं। हमारा सौभाग्य है कि हम सभी ब्रह्मावत्सों ने उन्हें पहचान लिया और इसी भगीरथ कार्य को करने में जुट गये। श्री श्री शिवशंकर शिवयोगी महास्वामी जी ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनायें दीं। मौके पर शिक्षा प्रभाग अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय सहित संस्थान के सर्व वरिष्ठ भाई-बहनें एवं हज़ारों की संख्या में आगंतुक मौजूद रहे। पाण्डव भवन के प्रांगण में ध्वजारोहण करने के पश्चात् माउण्ट आबू स्थित आध्यात्मिक संग्रहालय में भी सभी वरिष्ठ भाई-बहनों ने शिवध्वज लहराकर शिवरात्रि महोत्सव मनाया।

## आखिर मेरे सवाल का जवाब मिल गया

मैं बचपन से आज 28 वर्ष की उम्र तक एक सवाल 'मैं कौन, मेरा कौन' का जवाब पाने 46 से भी अधिक देशों में घूमा, अनेक गुरुओं, भिक्षुकों और धर्मात्माओं से मिला, पर मेरे इस सवाल का सही जवाब मुझे ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ने के बाद ही मिला। यहाँ आकर मुझे यकीन हो रहा है कि मैं पुनः पाँच हज़ार वर्ष(कल्प) के पश्चात् अपने सच्चे पिता परमात्मा शिव बाबा के पास अपने घर और अपने परिवार में आ गया हूँ। अब मैं गर्व से यह कह सकता हूँ कि मैं उस विराट रचनाकार परमात्मा की सर्वश्रेष्ठ रचना हूँ और राजयोग का अभ्यास करते हुए मैं एक सच्चा ब्रह्माकुमार बनकर दिखाऊंगा।

### शान्ति शिखर भवन में 'महाशिवरात्रि महोत्सव'

## जगत के कल्याण हेतु जीना : शिव आराधना

**रायपुर-छ.ग.।** शिव का स्वरूप कल्याणकारी है। शिव की आराधना करने का मतलब सिर्फ अक्, धतूरा मात्र चढ़ाना नहीं, वरन जगत के कल्याण के लिए जीना है। उक्त विचार कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जन संचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव शर्मा ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नवा रायपुर के शान्ति शिखर भवन में आयोजित 'महाशिवरात्रि महोत्सव' में 'परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण कब, क्यों और कैसे?' विषय पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सुख, आनंद सब आत्मा में समाया हुआ है। उसको पहचानने की ज़रूरत है। ज्ञान को जब तक आचरण में नहीं लायेंगे तब तक वह व्यर्थ है। गृह सचिव अरुण देव गौतम ने कहा कि हम अपने स्वरूप को भूल गए हैं। अपने को पंचभूत देह मान बैठे हैं। अपने सही स्वरूप की पहचान दिलाने का कार्य ब्रह्माकुमारी बहनें कर रही हैं। इसी से सारे दुःखों और कष्टों का अंत होगा। भारतीय प्रबंधन संस्थान, आई.आई.एम. ने कहा कि अपने अंदर की ज्योति को प्रकाशित करना ही सच्ची शिवरात्रि है। आवश्यकता है कि हम अपने आप को जानें। ब्रह्माकुमारी संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि हमारा देश त्योहारों का देश है, लेकिन जब तक उन त्योहारों का यथार्थ अर्थ न समझें, उसका पूरा लाभ नहीं उठा सकते। राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. नीलम बहन ने कहा कि यही समय है जबकि परमात्मा इस धरा पर आकर आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की शिक्षा देकर नई दुनिया की पुनर्स्थापना का कार्य करते हैं।

### शिव तत्व की उपासना से होगी सामाजिक सद्भावना - प्रो. शर्मा

## एकता लाना ही महाशिवरात्रि का संदेश

### सभी ने शिव ध्वज फहराकर अपनी बुराइयों को शिव पर अर्पण करने का लिया संकल्प

### द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन झाँकी का भी आयोजन

**इंदौर-म.प्र.।** महाशिवरात्रि पर्व हमें जीवन में आपसी सद्भाव और प्यार से रहने का संदेश देता है। हम सब जानते हैं कि शिव की बारात में कैसे भिन्न मत- मतांतर, विपरीत स्वभाव-संस्कार वाले होते भी सब बड़ी एकता के साथ चलते हैं। तो आज यही दृढ़ संकल्प लें कि हम आपसी वैर-विरोध, नफरत, घृणा को छोड़कर सभी के साथ सद्भावना और प्रेम पूर्ण व्यवहार करेंगे। उक्त विचार इंदौर के लोकसभा सांसद शंकर लालवानी ने ओमप्रकाश भाईजी सभागृह में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित 'परमात्म अवतरण द्वारा दैवी संस्कृति की स्थापना' कार्यक्रम में व्यक्त किये। इंदौर ज़ोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि दैवी सृष्टि बनाने के लिए दैवी संस्कृति चाहिये। संस्कृति में संस्कारों को परिष्कृत किया जाता है और संस्कार परिवर्तन का कार्य स्वयं ज्ञान सागर निराकार परमात्मा शिव आकर कर रहे हैं। क्षेत्र क्रमांक 5 के विधायक महेन्द्र हार्डिया ने कहा कि भारतीय संस्कृति महान है जिसको सभी ने स्वीकार किया है। क्योंकि भारतीय संस्कृति कोई न कोई वैज्ञानिक तथ्य लिये हुए है और सभ्य संस्कृति ही मन को सुकून देती है। कालानी नगर क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि परमात्म-ज्ञान की धारणा द्वारा पुनः इस सृष्टि पर दैवी संस्कृति आ जाती है। शक्तिनिकेतन छात्रावास की संचालिका ब्र.कु. करुणा दीदी ने अपने विचार रखे तथा सुभाष नगर क्षेत्रीय प्रभारी ब्र.कु. ममता दीदी ने सभी से निःस्वार्थ भाव अपनाने की प्रतिज्ञा करवाई। कार्यक्रम संचालन प्रेम नगर की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. शशि दीदी ने किया। मौके पर पूर्व महापौर डॉ. उमा शशि शर्मा आदि शहर के गणमान्य उपस्थित रहे।